PRGI : APHIN/26/A3657

पेन पॉवर

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 1 अंक - 7 शुक्रवार, जुलाई 10, 2026 विशाखापट्टनम संपादकः गंट्यादा अप्पाराव पृष्ठों. 4 मूल्य. 1रु

हर समस्या का समाधान करना मेरी जिम्मेदारी हैः मुख्यमंत्री चंद्रबाबू

(पेन पॉवर न्यूज):
नंद्याल जिलाः मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बनगानापल्ले में किसानों को पट्टादार पासबुक वितरित कीं। इस अवसर पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने पूर्व वाईएसआरसीपी सरकार की कड़ी आलोचना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकार के फैसलों के कारण लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।
उन्होंने आरोप लगाया कि वाईएसआरसीपी सरकार द्वारा लाया गया लैंड टाइटलिंग एक्ट लोगों में भय और असुरक्षा की भावना पैदा करने वाला था। चंद्रबाबू ने कहा कि सरकार की बात नहीं मानने वालों की जमीनों को 22। प्रतिबंधित सूची में शामिल किया गया था। उन्होंने बताया कि उनकी सरकार ने सत्ता में आते ही लैंड टाइटलिंग एक्ट को रद्द कर दिया।
मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता की संपत्ति पर अधिकार केवल जनता का ही होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब भूमि जनता की है, तब पट्टादार पासबुकों और भूमि सीमा पत्थरों पर पिछली सरकार के नेताओं के नाम और तस्वीरें छापना उचित नहीं था। उन्होंने इसे फोटो प्रचार की अति बताते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी की तस्वीरों वाली पुरानी पासबुकों को रद्द कर दिया गया है और अब राज्य चिन्ह (राजमुद्रा) वाली नई पासबुकें जारी की जा रही हैं।
चंद्रबाबू ने कहा कि किसानों को पारदर्शी सेवाएं प्रदान करना उनकी सरकार का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि जनता की हर समस्या का समाधान करना सरकार की जिम्मेदारी है। बिचौलियों की व्यवस्था को समाप्त करने के लिए ग्राम सभाओं में ही पट्टादार पासबुकों का वितरण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि बिना एक रुपये के भी भ्रष्टाचार के सुशासन प्रदान करना उनकी सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि पट्टादार पासबुकों पर दिए गए क्यूआर कोड के माध्यम से किसान अपनी भूमि से संबंधित सभी विवरण आसानी से प्राप्त कर सकेंगे।हर समस्या का समाधान करना मेरी जिम्मेदारी हैः मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नंद्याल जिलाः मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बनगानापल्ले में किसानों को पट्टादार पासबुक वितरित कीं। इस अवसर पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने पूर्व वाईएसआरसीपी सरकार की कड़ी आलोचना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकार के फैसलों के कारण लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।
उन्होंने आरोप लगाया कि वाईएसआरसीपी सरकार द्वारा लाया गया लैंड टाइटलिंग एक्ट लोगों में भय और असुरक्षा की भावना पैदा करने वाला था। चंद्रबाबू ने कहा कि सरकार की बात नहीं मानने वालों की जमीनों को 22। प्रतिबंधित सूची में शामिल किया गया था। उन्होंने बताया कि उनकी सरकार ने सत्ता में आते ही लैंड टाइटलिंग एक्ट को रद्द कर दिया।
मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता की संपत्ति पर अधिकार केवल जनता का ही होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब भूमि जनता की है, तब पट्टादार पासबुकों और भूमि सीमा पत्थरों पर पिछली सरकार के नेताओं के नाम और तस्वीरें छापना उचित नहीं था। उन्होंने इसे फोटो प्रचार की अति बताते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री वाई. एस. जगन मोहन रेड्डी की तस्वीरों वाली पुरानी पासबुकों को रद्द कर दिया गया है और अब राज्य चिन्ह (राजमुद्रा) वाली नई पासबुकें जारी की जा रही हैं।

आतंकी ठिकानों पर हुए धमाकों की गूंज पूरी दुनिया ने सुनी'

ऑपरेशन सिंदूर पर ऑस्ट्रेलिया में बोले पीएम मोदी

मेलबर्न, 09 जुलाईः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान मेलबर्न में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा और रक्षा क्षमता का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता आतंकवाद के खिलाफ भारत के दृढ़ संकल्प का प्रतीक है।
हाल ही में हुए भारत के आतंकवाद–रोधी अभियान का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की सैन्य शक्ति का प्रदर्शन देखा है। उन्होंने कहा, "आपने ऑपरेशन सिंदूर का प्रदर्शन देखा होगा। धमाके आतंकवादी ठिकानों पर हो रहे थे, लेकिन उनकी गूंज पूरी दुनिया में सुनाई दी। आतंकवादी शिविरों पर की गई कार्रवाई पर क्या आपको गर्व महसूस हुआ?" उनके इस सवाल पर उपस्थित लोगों ने जोरदार तालियां बजाईं।
प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में "मेक इन इंडिया" एक वैश्विक ब्रांड बन गया है। भारतीय निर्मित मोबाइल फोन, ऑटोमोबाइल और रक्षा उपकरणों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में पहचान मिली है। उन्होंने कहा कि आज भारत का रक्षा क्षेत्र क्षमता और विश्वसनीयता दोनों का प्रतीक बन चुका है।
मोदी ने भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने चंद्रयान मिशन की सफलता को याद करते हुए कहा कि भारत ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट सफलतापूर्वक लैंडिंग कर इतिहास रचा है, जो अब तक कोई अन्य देश नहीं कर सका। उन्होंने बताया कि भारत अब गगनयान मानव अंतरिक्ष मिशन की तैयारी कर रहा है और अपना स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने की दिशा में भी काम कर रहा है।
भारतीय प्रवासी समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले भारतीय भले ही भौगोलिक रूप से दूर हों, लेकिन वे भावनात्मक रूप से भारत से

जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय अपने परिश्रम से ऑस्ट्रेलिया की प्रगति में योगदान दे रहे हैं और साथ ही भारत के विकास पर भी लगातार नजर बनाए रखते हैं। प्रधानमंत्री ने 2014 में ऑस्ट्रेलिया की अपनी पहली यात्रा को याद किया, जो 28 वर्षों के अंतराल के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली ऑस्ट्रेलिया यात्रा थी। उन्होंने कहा कि 12 वर्षों में यह उनकी तीसरी यात्रा है और इसे उन्होंने "हैट्रिक" बताते हुए भारत–ऑस्ट्रेलिया संबंधों की बढ़ती मजबूती का प्रतीक बताया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ।दजीवदल ।सइंदमेम की भी सराहना की और कहा कि भारतीय समुदाय के बीच उनकी लोकप्रियता काफी अधिक है।
प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को इंडोनेशिया की यात्रा समाप्त कर ऑस्ट्रेलिया पहुंचे थे। इंडोनेशिया में भारत ने कृषि, रक्षा तथा ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल प्रणाली में सहयोग सहित कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए। शुक्रवार को उनके न्यूजीलैंड रवाना होने और उसके बाद भारत लौटने का कार्यक्रम है।

एल नीनो पर किसानों को जागरूक करेंगे, चुनौती का समाधान करेंगेः नादेंडला मनोहर

(पेन पॉवर न्यूज):
विजयवाड़ा, 9 जुलाईः गठबंधन सरकार के दो वर्षों के सफल धान खरीद अभियान के उपलक्ष्य में नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा किसानों और राइस मिलर्स के साथ एक विशेष सेमिनार आयोजित किया गया। इस अवसर पर मंत्री नादेंडला मनोहर ने कहा कि पिछले दो वर्षों में गठबंधन सरकार ने धान खरीद प्रक्रिया में कई नवाचार और सुधार लागू किए हैं। उन्होंने बताया कि सिविल सप्लाईज कॉर्पोरेशन के माध्यम से किसानों और राइस मिलर्स के बीच समन्वय स्थापित कर खरीद प्रक्रिया संचालित की जा रही है। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण के मार्गदर्शन में राज्य के इतिहास की सबसे सफल धान खरीद की गई है। उन्होंने जिला स्तर के अधिकारियों के कार्य की भी सराहना की। मंत्री ने कहा कि आगामी सीजन में एल नीनो के संभावित प्रभावों के बारे में किसानों को जागरूक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पिछली सरकार ने 42 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा था, जबकि गठबंधन सरकार ने अपने दूसरे वर्ष में 74 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा है। ध31,000 करोड़ मूल्य का धान खरीदा गया और 11.53 लाख किसानों को 95 प्रतिशत भुगतान 24 घंटे के भीतर कर दिया गया। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों और कल्याण छात्रावासों में मध्याह्न भोजन योजना के लिए गुणवत्तापूर्ण बीपीटी चावल उपलब्ध कराया जा रहा है। आंध्र प्रदेश की 10 प्रतिशत ब्रोकन राइस नीति को केंद्र सरकार ने मान्यता दी है और इसे देशभर में लागू करने का निर्णय लिया है। हर धान की बोरी पर क्यूआर कोड लगाया गया है, जिससे ज्तंबा – ज्तंबम प्रणाली के माध्यम से किसान से लेकर फेयर प्राइस शॉप तक की पूरी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने बताया कि किसानों को व्हाट्सएप के माध्यम से धान बेचने की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है।

नादेंडला मनोहर ने कहा कि गन्नी बैग, गोदाम, परिवहन और नमी मापन जैसे क्षेत्रों में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। खरीफ सीजन से किसान सेवा केंद्रों पर गन्नी बैग उपलब्ध कराए जा रहे हैं। परिवहन में देरी रोकने के लिए परिवहन व्यय भी 48 घंटे के भीतर किसानों के खातों में जमा किया जा रहा है। ट्रकों की आवाजाही पर निगरानी के लिए आरएफआईडी स्टिकर और स्कैनर आधारित प्रणाली लागू की गई है। नमी मापने वाले मीटरों को सभी केंद्रों पर एक ही कंपनी और मॉडल का बनाने की दिशा में काम चल रहा है। वर्तमान में 90 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है और खरीफ सीजन तक इसे 100 प्रतिशत पूरा करने का लक्ष्य है। मंत्री ने कहा कि प्रारंभिक आकलन के अनुसार एल नीनो के प्रभाव से इस सीजन में धान उत्पादन लगभग 15 प्रतिशत तक घट सकता है।
हालांकि, सरकार किसानों को पहले से जागरूक करेगी और आवश्यक सलाह देकर इस चुनौती का सामना करने में उनकी सहायता करेगी।

स्पीड, स्टेबिलिटी और सर्विस के साथ पूरा भरोसाः कोरियाई निवेशकों से लोकेश

दक्षिण कोरिया, 9 जुलाईः निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से दक्षिण कोरिया के दौरे पर गए आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों से लगातार मुलाकात कर रहे हैं। अपने पांचवें दिन के दौरे के दौरान उन्होंने सियोल में किआ मोटर्स के वरिष्ठ अधिकारियों से बैठक की। लोकेश ने किआ मोटर्स से आंध्र प्रदेश में एकीकृत इलेक्ट्रिक वाहन और हाइब्रिड वाहन निर्माण गतिविधियों का विस्तार करने का आग्रह किया। उन्होंने पीबीवी सहित ईवी निर्माण केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। साथ ही विशाखापट्टनम के निकट सीकेडी असेंबली और निर्यात केंद्र स्थापित करने का अनुरोध किया।
उन्होंने ईवी कंपोनेंट्स और बैटरी सिस्टम निर्माण इकाइयों की स्थापना का भी प्रस्ताव दिया। इसके अलावा ईवी पावरट्रेन परीक्षण एवं वाहन होमोलोगेशन केंद्र स्थापित करने का सुझाव दिया। लोकेश ने अनंतपुर स्थित किआ संयंत्र के विस्तार का भी आग्रह किया। किआ मोटर्स के प्रतिनिधियों ने कहा कि वे इन प्रस्तावों का अध्ययन कर उचित निर्णय लेंगे।

कोरिया की उप विदेश मंत्री से मिले लोकेश

लोकेश ने दक्षिण कोरिया की उप विदेश मंत्री सिसिलिया चुंग से भी मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश कोरियाई निवेशकों के लिए एक विश्वसनीय राज्य है और राज्य की 3 नीति निवेशकों के लिए सुरक्षा कवच के समान है।
उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश उद्योगों को स्पीड (गति), स्टेबिलिटी (स्थिरता) और सर्विस (सेवा) के माध्यम से पूर्ण भरोसा प्रदान करता है। उन्होंने एपी–कोरिया इन्वेस्टमेंट डेस्क की स्थापना में सहयोग का अनुरोध किया तथा आंध्र प्रदेश में कोरियन कल्चरल सेंटर स्थापित करने का प्रस्ताव रखा।
मंत्री ने कहा कि आंध्र प्रदेश दक्षिण कोरिया के साथ मिलकर संयुक्त प्रशिक्षण अकादमियां स्थापित करने के लिए तैयार है। उन्होंने हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स और पर्यटन क्षेत्रों में कोरियाई निवेश का स्वागत किया।
लोकेश ने विशाखापट्टनम और बुसानध्इंचियॉन के बीच सीधी उड़ान सेवा शुरू करने तथा आंध्र प्रदेश के विश्वविद्यालयों में कोरियाई भाषा केंद्र स्थापित करने का भी अनुरोध किया। राज्य के बंदरगाहों की क्षमता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश निर्यात के लिए एक आदर्श केंद्र है और कोरिया–आंध्र प्रदेश आर्थिक साझेदारी को और मजबूत बनाने का आह्वान किया।

यूट्यूबर जोसेफ रावण के बैंक खाते फ्रीज

(पेन पॉवर न्यूज):
काकीनाडा, 9 जुलाईः पिछले दो वर्षों से यूट्यूब पर कथित रूप से घृणा फैलाने वाले भाषण देने वाले यूट्यूबर जोसेफ रावण के वित्तीय स्रोतों पर पुलिस ने ध्यान केंद्रित किया है। इसी क्रम में काकीनाडा पुलिस ने आईसीआईसीआई बैंक और यस बैंक को आधिकारिक पत्र भेजे। पुलिस के अनुरोध की समीक्षा करने के बाद बैंक प्रबंधन ने जोसेफ रावण के नाम पर मौजूद खातों को तत्काल प्रभाव से फ्रीज करने का निर्णय लिया। प्रारंभिक जांच में पुलिस को उसकी आय के स्रोतों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं। अधिकारियों के अनुसार, वह "प्रश्न" नामक वेबसाइट पर विवादास्पद वीडियो पोस्ट कर प्रति माह ध1.50 लाख से अधिक की आय अर्जित कर रहा था। जांच में यह भी सामने आया कि यह आय कथित रूप से लोगों के बीच नफरत भड़काने वाली सामग्री के माध्यम से प्राप्त हो रही थी। पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी है। 2 जुलाई को जोसेफ रावण का मोबाइल फोन जब्त किया गया था। बाद में उसे विस्तृत जांच के लिए फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) भेज दिया गया। वर्तमान में पुलिस उसके फोन में मौजूद विवादास्पद वीडियो, डिलीट किए गए डेटा और व्हाट्सएप चौट्स की गहन जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि उसके पीछे कोई अन्य व्यक्ति या समूह तो सक्रिय नहीं था।

कलाकारों के स्वास्थ्य की रक्षा करना गठबंधन सरकार की जिम्मेदारी हैः उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण

(पेन पॉवर न्यूज):
अमरावती, 9 जुलाईः उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने कहा कि पारंपरिक कलाओं का संरक्षण केवल उन्हें प्रोत्साहित करना ही नहीं, बल्कि उन कलाकारों के स्वास्थ्य और कल्याण की रक्षा करना भी है जो इन्हीं कलाओं पर अपनी आजीविका के लिए निर्भर हैं। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश हस्तकला महोत्सव के दौरान हस्तकला एवं हथकरघा कारीगरों से बातचीत में उनकी पेशागत स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उनके संज्ञान में आईं।
सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए पवन कल्याण ने कहा कि महोत्सव के दौरान उन्हें कलाकारों और बुनकरों के साथ आत्मीय रूप से जुड़ने का अवसर मिला। उन्होंने उनकी असाधारण प्रतिभा, असीम धैर्य और अपने कार्य के प्रति समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि वर्षों से कठिन परिश्रम कर रहे कलाकार पीठ दर्द, गर्दन दर्द, जोड़ों की समस्याएं, आंखों की बीमारियां और श्वसन संबंधी परेशानियों जैसी अनेक स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे हैं। राज्य की संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखने वाले इन कलाकारों के स्वास्थ्य की रक्षा करना गठबंधन सरकार की जिम्मेदारी है।
उपमुख्यमंत्री ने बताया कि समस्याओं की जानकारी मिलते ही संबंधित अधिकारियों को राज्य के विभिन्न हस्तकला और हथकरघा क्लस्टरों में विशेष चिकित्सा शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए गए।
उन्होंने बताया कि 8 जुलाई को श्रीकालहस्ती कलमकारी कलाकारों तथा पश्चिम गोदावरी जिले के सीतारामपुरम क्रोशे लेस कारीगरों के लिए चिकित्सा शिविर सफलतापूर्वक आयोजित किए गए।

9 जुलाई को निम्नलिखित स्थानों पर विशेष चिकित्सा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं:

एनटीआर जिले के कोंडापल्ली खिलौना कलाकार
काकीनाडा जिले के उप्पाडा हथकरघा बुनकर
कडपा जिले के माधवरम हथकरघा बुनकर
अनंतपुर जिले के याडिकी हथकरघा बुनकर

10 जुलाई को चिकित्सा शिविर आयोजित होंगेः

विजयनगरम जिले के बोब्बिली वीणा कलाकार
अनकापल्ली जिले के एटिकोप्पाका कलाकार
एलुरु जिले के हैंड–नॉटेड वूलन पाइल कार्पेट कारीगर

मदनपल्ले हथकरघा बुनकर

11 जुलाई को शिविर आयोजित किए जाएंगेः

श्री सत्यसाई जिले के धर्मवरम हथकरघा बुनकर
श्रीकाकुलम जिले के बुडिथि पीतल शिल्पकार
कृष्णा जिले के पेडाना ब्लॉक कलमकारी कलाकार
तिरुपति जिले के लकड़ी शिल्प कलाकार

पवन कल्याण ने कहा कि इसी प्रकार के चिकित्सा शिविर राज्य के अन्य हस्तकला एवं हथकरघा क्लस्टरों में भी चरणबद्ध तरीके से आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में सामान्य स्वास्थ्य जांच, विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श, आवश्यक परीक्षण और आगे के उपचार के लिए मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा।

संपादकीय

अब वापस गांव लौटना शर्म की बात

देश में सबसे कम शहरीकरण वाला राज्य हिमाचल प्रदेश है और उसके बाद बिहार का नंबर आता है। इसके बाद असम, ओडिशा आदि राज्य आते हैं। इन राज्यों में शहरीकरण नहीं हुआ है लेकिन गांव लापता हो गए हैं। सवाल है कि कहां चले गए हैं गांव के लोग? वह भी इस समय जब खेती किसानी का समय है? पिछले दिनों एक रील सोशल मीडिया में वायरल हुई, जिसमें पंजाब में धान की रोपनी कर रहे बिहार के किसान अपनी पीड़ा बता रहे थे। वे बिहार के नौजवानों से कह रहे थे कि पंजाब में उनका जीवन कितना मुश्किल है। वे अपील भी कर रहे थे कि अगर पढ़ सकते हो तो पढ़ो और कुछ करो। इस रील में सवाल है कि जवाब है। देश के तमाम पिछड़े इलाकों, जिनमें बिहार, झारखंड, ओडिशा, बंगाल का नाम खास तौर पर लिया जा सकता है, से गांव उठ कर दिल्ली, पंजाब, मुंबई, सूरत, अहमदाबाद, वडोदरा, बेंगलुरू और हैदराबाद चले गए हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि गांव लापता हुए हैं और वहां के लोग देश के बड़े शहरों में चले गए हैं। गांवों से निकल कर ज्यादातर लोग अपने आसपास के शहरों मे गए हैं। अच्छे जीवन की तलाश में, बच्चों की अच्छी शिक्षा व बुजुर्गों के लिए अच्छी स्वास्थ्य सुविधा की तलाश में, शहर में मिलने वाली सुविधाओं की मृग मरीचिका में लोग गांव से निकल कर शहर में आ गए हैं या शहर के नजदीक आ गए हैं। 'राग दरबारी' में पहले ही पन्ने पर श्रीलाल शुक्ल ने लिखा है कि 'शहर का वह छोर, जहां से देहात का महासागर शुरू होता है'। लेकिन अब शहर की सीमा के बाद देहात का महासागर नहीं दिखता है, बल्कि बेहद बदरंग रूप में शहर ही देहात तक पहुंच गया है या शहर ही देहात बन गया है। लोग गांवों से निकल कर शहरों की ओर भागे तो शहर का भौगोलिक विस्तार तेजी से हुआ। शहर का विकास नहीं हुआ, सुविधाएं नहीं बढ़ीं सिर्फ भौगोलिक विस्तार हुआ। जैसे दिल्ली में भीड़ बढ़ती गई तो एनसीआर का दायरा बढ़ता गया वैसे ही बिहार के किसी शहर का विस्तार हुआ तो नगर निगम या नगरपालिका की सीमा बढ़ती गई। लोग इस बात से खुश हुए कि उनका गांव, टोला या मोहल्ल नगरपालिका की सीमा में आ गया। लेकिन नगरपालिका ने वैसी सुविधाएं भी विकसित नहीं की, जैसी पंचायत में उनको मिलती थी। राष्ट्रपति रहते एपीजे अब्दुल कलाम ने पुरा (पीयूआरए) यानी प्रोविजन ऑफ अर्बन एमेनिटीज टू रूरल एरियाज का जिक्र किया था, जिसे 2003 में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने शुरू किया था। इसके तहत ग्रामीण इलाकों में शहरी सुविधाएं यानी सीवेज, पीने के पानी, अच्छी सड़क आदि की सुविधा देनी थी। दुर्भाग्य से उसके 23 साल बाद गांव उजाड़ पड़े हैं और शहरों में भी ये सुविधाएं पूरी तरह से नहीं मिल रही हैं। गांव के लोग जिन चीजों की तलाश में शहर आए थे वो उनको मिली नहीं और वे गांव से उजड़ गए। शहरों में अच्छी शिक्षा के नाम पर कचरा ज्ञान फैलाने वाले निजी स्कूल और कोचिंग हैं। सरकारी स्कूलों की हालत बदतर है। सरकारी अस्पताल दिन ब दिन खराब हुए हैं तो निजी अस्पताल इतने महंगे हैं कि लोग उसे अफोर्ड नहीं कर सकते हैं। नौकरी और रोजगार की संभावना नगण्य है। लेकिन अब वापस गांव लौटना शर्म की बात मानी जाएगी। इसलिए संघर्ष कर रहे हैं। उधर गांवों में छोटी जोत वाले किसान भी खेत मजदूरों की तलाश में भटक रहे हैं। उनके घर के नौजवान भी अच्छे जीवन की उम्मीद लिए गांव से निकल गए हैं। वे भी कहीं किसी शहर या महानगर में भटक रहे हैं। थोड़े समय पहले तक गांवों में जहां चौपाल पर, मंदिर या मस्जिदों के चबूतरे पर या पेड़ की छांव में लोग बैठे दिखते थे वहां अब सन्नाटा है। सड़क पर कुछ महिलाएं तो दिखती हैं लेकिन कामकाजी उम्र के लोग लापता हैं।

हमें हक नहीं किसी के विश्वास की हत्या करने का

रिश्ते केवल खून से नहीं बनते, विश्वास से बनते हैं। और जब विश्वास ही हत्या का हथियार बन जाए, तब केवल एक व्यक्ति नहीं मरता, इंसानियत भी घायल होती है। पिछले कुछ समय में देश ने ऐसे कई मामले देखे हैं जिन्होंने समाज को भीतर तक झकझोर दिया। हाल के सिया-केतन प्रकरण में जाँच एजेंसियाँ प्रेम, सगाई और कथित साजिश के पहलुओं की जाँच कर रही हैं। इससे पहले सोनम-राजा रघुवंशी हत्याकांड लंबे समय तक चर्चा में रहा। उससे पहले श्रद्धा वालकर हत्याकांड ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया था, जिसमें लिव-इन पार्टनर पर हत्या और शव के टुकड़े करने का आरोप लगा। दिल्ली का चर्चित 'नीला ड्रम' मामला भी लोगों के मन में आज तक भय पैदा करता है। इन सभी मामलों की परिस्थितियाँ अलग-अलग हैं और अंतिम न्यायिक निर्णय अपनी प्रक्रिया से होगा, लेकिन एक बात समान दिखाई देती है और वह है-भरोसे का टूटना। विश्वास की परिभाषा सरल है-किसी पर निर्भर होना और उसके साथ सुरक्षित भविष्य की उम्मीद रखना। लेकिन जब वही भरोसा धोखे में बदल जाता है, तो केवल एक व्यक्ति नहीं टूटता; उसके साथ परिवार, सामाजिक रिश्ते और मानवीय संवेदनाएँ भी आहत होती हैं। सिया-केतन जैसे मामलों में व्यक्तिगत संबंधों के साथ आर्थिक और भावनात्मक जटिलताएँ भी सामने आती हैं। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि किन चेतावनी संकेतों को अनदेखा किया गया और किसने किसके विश्वास का लाभ उठाया। यह केवल अपराध की कहानी नहीं, बल्कि उस भरोसे की हत्या है जिसके सहारे कोई अपना भविष्य किसी दूसरे के साथ जोड़ता है। जब जीवन का सबसे सुरक्षित रिश्ता ही सबसे बड़ा खतरा बन जाए, तो समाज को आत्ममंथन करना ही होगा। अधिकांश विश्वासघात निजी और पारिवारिक रिश्तों में होते हैं। प्रेम, सहजीवन और वैवाहिक संबंध सुरक्षा का आधार होने चाहिए, लेकिन जब इन्हीं का दुरुपयोग होता है तो पीड़ा कई गुना बढ़ जाती है। प्रेम का अर्थ अधिकार नहीं, स्वीकार है। विवाह का अर्थ बंधन नहीं, साझेदारी है। यदि किसी रिश्ते में प्रेम, सम्मान और विश्वास समाप्त हो जाए, तो अलग होने के लिए कानून, संवाद, परिवार और समाज, सभी रास्ते उपलब्ध हैं। किसी का जीवन छीन लेने का अधिकार किसी को नहीं हो सकता। आज सोशल मीडिया पर अपराधों की खबरें सनसनी बनकर फैलती हैं। कई बार लोग अपराधी की चालाकी या उसकी योजना पर ऐसे चर्चा करते हैं, मानो वह कोई रोमांचक कहानी हो। यह प्रवृत्ति भी चिंताजनक है। हर ऐसी खबर के पीछे किसी माँ का उजड़ा आँगन, किसी पिता का टूटा सहारा और किसी परिवार का आजीवन दर्द छिपा होता है। ऐसे अपराध केवल कानूनी रिकॉर्ड का हिस्सा नहीं बनते, बल्कि समाज में भय, संदेह और असुरक्षा भी बढ़ाते हैं। विश्वासघात केवल हत्या तक सीमित नहीं है। झूठ बोलना, भावनाओं से खेलना, आर्थिक शोषण करना, दोस्ती या प्रेम के नाम पर धोखा देना, ये उसी मानसिकता के अलग-अलग रूप हैं। जब छोटे छल को सामान्य मान लिया जाता है, तभी बड़े अपराधों की जमीन तैयार होती है। इस समस्या का समाधान केवल कठोर कानून नहीं हैं। सामाजिक जागरूकता, मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की आसान पहुँच, रिश्तों में पारदर्शिता और घरेलू हिंसा के विरुद्ध प्रभावी सहायता तंत्र भी उतने ही आवश्यक हैं। शिक्षा-प्रणाली को बच्चों में ईमानदारी, संवेदनशीलता और संवाद का संस्कार विकसित करना होगा। मीडिया को भी जाँच प्रक्रिया और पीड़ितों की गरिमा का सम्मान करते हुए जिम्मेदारी से रिपोर्टिंग करनी चाहिए। हमें अपने बच्चों को केवल सफल होना नहीं, बल्कि विश्वसनीय होना भी सिखाना होगा। रिश्तों में ईमानदारी, असहमति में संवाद और अलगाव में गरिमा ही सभ्य समाज की पहचान है। रिश्ता टूटने का दर्द समय के साथ कम हो सकता है, लेकिन जब इंसान का इंसान पर से भरोसा टूट जाता है, तब उसका असर पूरे समाज पर पड़ता है। किसी भी सभ्यता की सबसे बड़ी हार यही है।

बिहारमें बदलाव की बयार, जाति-धर्म तोड़ न्याय के लिए एक हुआ समाज

बिहार में जातिवादी राजनीति के गढ़ भोजपुर में सवर्ण युवक भरत तिवारी की कथित पुलिस मुठभेड़ में हत्या ने अप्रत्याशित सामाजिक बदलाव को उजागर किया है। दलित और पिछड़े समुदाय भी न्याय के लिए सड़कों पर उतर आए हैं, जो राज्य में पारंपरिक जातिगत दीवारों को तोड़ते हुए एक नए सामाजिक सद्भाव का संकेत है। यह जनाक्रोश बिहार की राजनीति और सामाजिक सोच के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है। जाति और धर्म के बिना आज राजनीति की कल्पना बेमानी है, लेकिन बिहार में जातिवाद का असर कुछ ज्यादा ही दिखता है। यहां मानस किस कदर जातिवाद के घेरे में है, इसे समझने के लिए किसी खास जाति के अपराधियों के खिलाफ होने वाली कार्रवाई को देखना होगा। तब उस अपराधी के जाति विशेष द्वारा उसे बेकसूर बताने और कार्रवाई को जातिवादी बदला बताने की होड़ लग जाती है। लेकिन इसी बिहार में हाल ही में हुई एक घटना की प्रतिक्रिया में उभरा जनाक्रोश इसके ठीक उलट है। इसमें जाति और धर्म की सीमाएं टूट गई हैं। भोजपुर पुलिस के कथित एनकाउंटर में मारे गए सवर्ण युवक भरत तिवारी के इंसाफ के लिए उतरे लोगों के बीच कोई जातीय दीवार नजर नहीं आ रही। हालांकि इसे भी जातीय रंग देने की कोशिश की गई, तो उसके खिलाफ उसी दलित समाज के स्त्री और पुरूष मैदान में उतर आए, जिनकी रहनुमाई का दावा करने वाली राजनीति हस्ती ने यह रंग देने का प्रयास किया था। इससे इनकार नहीं कि भारतीय समाज में ऊंच-नीच का भाव रहा है। फिर भी समाज में सद्भाव, सहयोग और मेलजोल की गहरी परंपरा है। सामाजिक मामलों में कई बार जाति की दीवारें टूटती भी नजर आती हैं। लेकिन जैसे ही चुनाव और राजनीति का मसला सामने आता है, जातीय सोच पूरी ताकत से उभर आती है। बिहार इस मामले में कुछ ज्यादा ही बदनाम है। ऐसे माहौल में अगर सवर्ण समुदाय के भरत तिवारी की पुलिस के हाथों हुई हत्या के खिलाफ सड़कों पर दलित और पिछड़े समुदाय तक के लोग उतर आएं तो मानना पड़ेगा कि पारंपरिक सामाजिक व्यवस्था का जीन अब भी देश की रगों में बह रहा है। बस उसे जगाने की जरूरत है। हालांकि भरत तिवारी की कथित पुलिस मुठभेड़ को भी जातीय रंग देने की कोशिश भी हुई। हैरत की बात है कि इसके पीछे राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी नजर आए। जातिवादी चश्मे से इस घटना को देखते हुए उन्होंने कह दिया कि भरत तिवारी चूंकि ब्राह्मण था, इसीलिए सवर्ण समाज आक्रोशित है। उसकी जगह कोई दलित और पिछड़ा होता तो इस मामले को इतना तूल नहीं दिया जाता। मांझी के इस बयान ने जातिवादी खोल से बाहर निकले जनाक्रोश की आग में घी का काम किया। विरोध में भरत के गांव बिलौटी ही नहीं, आसपड़ोस के दलित और पिछड़े परिवार भी गुस्से से भर उठे। गंगा के कटान से प्रभावित ये लोग मांझी की लानत-मलामत में उतर आए। उन्होंने उलटे मांझी से ही पूछ लिया कि हमारे नेता होने के बावजूद उन्होंने उनकी हालत जानने की कोशिश क्यों नहीं की। लोगों का कहा था कि जिसके खिलाफ वे बोल रहे हैं, साधनहीन होने की बजाय वही व्यक्ति उनके साथ खड़ा रहा। बिहार में ठीक साढ़े इक्कीस साल पहले इसी तरह जाति और धर्म का बंधन टूटा था। झारखंड के अलग होने के बाद राज्य में पहला

विधानसभा चुनाव हो रहा था। इसी दौरान बारह जनवरी 2005 को पटना के पटेल नगर से दिनदहाड़े पंद्रह साल के किसलय का अपहरण कर लिया गया। इस अपहरण के खिलाफ तब बिहार का पूरा समाज उतर आया था। बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार में उतरे तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का बयान तब जन-जन की जुबान पर चढ़ गया था। उन्होंने कहा था, मेरा किसलय लौटा दो। किसलय की वापसी का सवाल जाति और धर्म की सीमाओं को तोड़ समूचे बिहार की आवाज बन गया था। भोजपुर जिले के बिलौटी गांव के भरत तिवारी की कथित मुठभेड़ में हत्या के बाद एक बार फिर बिहार का समाज ठीक उसी तरह जाति और समुदाय के खांचों को तोड़ सत्य और न्याय के साथ खड़ा नजर आ रहा है। भोजपुर जिले का जवानिया गांव गंगा के ठीक किनारे है। इस गांव को पिछले साल गंगा की लहरों ने तकरीबन लील लिया। कटान से प्रभावित लोगों को अपने घर-खेत गंवाना पड़ा, तब से ज्यादातर लोगों की स्थिति बदहाल है। प्रभावितों को घर के लिए जमीन और पैसे तो दिए गए, लेकिन जो जगह उन्हें मिली, वह गड्ढे वाली है। बाकी सहूलियतें भी ना के बराबर मिली हैं। इनकी बस्ती में हाल के दिनों तक पानी का चापाकल तक नहीं थे, कुछ थे भी तो उनमें पानी नहीं आ रहा था। इन्हीं बदहाल लोगों की आवाज बनकर भरत तिवारी सक्रिय थे। भरत तिवारी के न रहने के बाद बिलौटी और जवानिया के उजड़े लोगों का कहना है कि उन्हें भरत तिवारी की ही वजह से थोड़ी-बहुत सुविधाएं मिली हैं। इनके लिए वे ही प्रशासन से लड़ते रहे। कटान पीड़ित जवानिया गांव वालों का दर्द है कि उन्हें पानी से निकालकर फिर से पानी में ही बसा दिया गया है। उन्हें डर है कि फिर बारिश और बाढ़ आई तो उन्हें उजड़ना पड़ सकता है। भरत तिवारी इन्हीं मुद्दों को उठा रहे थे। भरत के गांव वालों का कहना है कि वह थोड़े तुनक मिजाज जरूर थे, लेकिन लोगों के सहयोग के लिए हमेशा तैयार रहते थे। प्रशासन के यहां कटान पीड़ितों की सुनवाई ना होने से भरत गुस्से में थे। गांव वाले मानते हैं कि प्रशासन के प्रति भरत के मन में गुस्सा था। उन्होंने एक फेसबुक पोस्ट में एक पुलिस वाले का एनकाउंटर करने की भी बात कही थी। इसके वायरल होने के बाद पुलिस ने भरत के खिलाफ जांच शुरू की थी। गांव पहुंची पुलिस के सामने भरत के माता-पिता ने भी उन्हें डांटा था। पुलिस से भरत की नोकझोक और झूमाझटकी भी हुई थी। इसके बाद 16 जून को एक बयान में पुलिस ने उन्हें मानसिक रूप से अस्थिर बताया था। लेकिन अगले ही दिन यानी सत्रह जून को पुलिस ने उन्हें घेर लिया। तब भरत के हाथ में पिस्तौल थी। उन्होंने जवानियां के गड्ढे भरने के साथ तीन मांगें रखीं थी। जब प्रशासन ने उनकी मांगें मानने का भरोसा दिया तो उन्होंने पिस्तौल फेंक कर सरेंडर कर दिया था। जिसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया था। पुलिस वहां से उन्हें ले गई और बाद में उन पर पंद्रह-बीस फायर करने का आरोप लगाते हुए उनके मुठभेड़ की बात कही थी। इसके बाद उन्हें अस्पताल में दाखिल करा दिया था, जहां सत्रह जून को उनकी मौत हो गई। लेकिन पुलिस की थ्योरी पर लोगों को भरोसा नहीं हुआ और इलाके का गुस्सा फूट पड़ा। लोगों का कहना है कि जब भरत ने पिस्तौल पुलिस को सौंप दी तो फिर वे गोली कैसे चला सकते हैं। भरत की शव यात्रा में उमड़ी भीड़ बिहार के नए समाज का आइना कही जा सकती है। हालांकि बिहार सरकार का रवैया पारंपरिक रहा। वह प्रशासन के ही बचाव में नजर आई। लेकिन जनाक्रोश देखते हुए उसे झुकना पड़ा। भरत की हत्या की जांच के लिए पटना हाईकोर्ट के अवकाश प्राप्त न्यायाधीश विनोद कुमार सिन्हा की अगुआई में जांच आयोग गठित किया गया है। इसी बीच आरोपी पुलिस वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

समंदर बन गई हैं महानगरों की सड़कें, डूबती गाड़ियों को कोई किनारा नहीं मिलता

क्या हम 2047 के विकसित भारत की इमारत उस बुनियाद पर खड़ी कर रहे हैं जो हर मानसून में हिल जाती है? क्या अब समय नहीं आ गया है कि विकास के दावों से पहले शहरों की जल निकासी व्यवस्था, निर्माण की गुणवत्ता, नगर नियोजन और प्रशासनिक जवाबदेही को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए? हम 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की बात कर रहे हैं। हम विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का सपना देख रहे हैं। हम आधुनिक बुनियादी ढांचे, स्मार्ट शहरों और वैश्विक स्तर की सुविधाओं का दावा कर रहे हैं। लेकिन क्या हर मॉनसून हमारे इन सभी दावों की वास्तविकता सामने नहीं रख देता? क्या यह सवाल पूछने का समय नहीं आ गया है कि यदि हमारे महानगर और राज्य की राजधानियां कुछ घंटों की बारिश भी नहीं झेल पा रही हैं, तो विकसित भारत की बुनियाद आखिर कितनी मजबूत है? क्या यह आश्चर्य की बात नहीं कि महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक और गुरुग्राम जैसे देश के सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक केंद्र हर वर्ष मानसून आते ही जलभराव, जाम और अव्यवस्था की पहचान बन जाते हैं? क्या यह केवल मौसम की मार है, या फिर हमारी नगर योजना, निर्माण व्यवस्था और प्रशासनिक तैयारी की सबसे बड़ी असफलता है? यदि हर वर्ष यही स्थिति बननी है, तो फिर हर वर्ष होने वाली तैयारियों और बैठकों का परिणाम आखिर कहां दिखाई देता है? क्या स्मार्ट सिटी का अर्थ

केवल चौड़ी सड़कें, चमकदार भवन और आकर्षक परियोजनाएं हैं? क्या स्मार्ट शहर वह नहीं होना चाहिए जो सामान्य से अधिक बारिश को भी सहजता से संभाल सके? यदि अरबों रुपये जल निकासी, सड़क निर्माण और शहरी विकास पर खर्च हो रहे हैं, तो पहली तेज बारिश में ही सड़कें नदी और चौराहे तालाब क्यों बन जाते हैं? क्या हर मानसून के बाद वही तस्वीरें, वही बयान और वही आश्वासन सुनना हमारी नियति बन चुकी है? क्या कभी किसी अधिकारी, किसी एजेंसी या किसी निर्माण करने वाली संस्था की जवाबदेही तय हुई? क्या जनता को यह जानने का अधिकार नहीं कि हर वर्ष खर्च होने वाला धन आखिर किस काम में लगाया जाता है? क्या समस्या केवल अधिक बारिश की है, या फिर प्राकृतिक जलमार्गों पर अतिक्रमण, बिना योजना के विस्तार, कमजोर निर्माण और रखरखाव की अनदेखी इसकी असली वजह है? क्या नदियों, तालाबों और पुराने जल निकासी मार्गों को पाटकर खड़ी की गई इमारतों की कीमत अब पूरा समाज नहीं चुका रहा है? यदि शहरों की सांस लेने वाली प्राकृतिक व्यवस्था को ही समाप्त कर दिया जाएगा, तो पानी आखिर जाएगा कहां? क्या यह सामान्य बात मानी जा सकती है कि बारिश होते ही एंबुलेंस फंस जाए, बच्चे स्कूल न पहुंच सकें, कर्मचारी दफ्तर न जा सकें, बाजार ठप हो जाएं, रेल और हवाई यात्रा थम जाएं और सामान्य जीवन रुक जाए? क्या हर वर्ष होने वाले आर्थिक नुकसान, समय की बर्बादी और जनजीवन की परेशानी का कोई हिसाब भी रखा जाता है? यदि रखा जाता है, तो फिर समाधान आज तक क्यों नहीं मिला? क्या विकसित भारत केवल बुलेट ट्रेन, एक्सप्रेस वे और गगनचुंबी इमारतों से बनेगा? या फिर उसकी पहचान ऐसी मजबूत बुनियादी व्यवस्था से होगी जो हर मौसम में नागरिकों को सुरक्षित और सुगम जीवन दे सके? क्या विश्व स्तर की अर्थव्यवस्था बनने का सपना उन शहरों के सहारे पूरा होगा जो हर मानसून में ठहर जाते हैं? क्या केवल सरकार और प्रशासन पर सवाल उठाना पर्याप्त है? क्या नागरिकों की भी जिम्मेदारी नहीं कि वे नालों में कचरा न डालें, जलमार्गों पर अतिक्रमण का विरोध करें और सार्वजनिक व्यवस्था के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं? लेकिन क्या यह भी उतना ही सच नहीं कि व्यवस्था की सबसे बड़ी जिम्मेदारी उसी पर होती है जिसके हाथ में योजना, संसाधन और निर्णय की शक्ति होती है? देखा जाये तो सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या हम 2047 के विकसित भारत की इमारत उस बुनियाद पर खड़ी कर रहे हैं जो हर मानसून में हिल जाती है? क्या अब समय नहीं आ गया है कि विकास के दावों से पहले शहरों की जल निकासी व्यवस्था, निर्माण की गुणवत्ता, नगर नियोजन और प्रशासनिक जवाबदेही को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए? क्या जनता को हर वर्ष एक ही परेशानी झेलने के लिए मजबूर रखना किसी भी विकसित राष्ट्र की पहचान हो सकती है? और यदि इन सवालों का उत्तर आज भी हमारे पास नहीं है, तो फिर क्या हमें पहले विकसित भारत का सपना देखना चाहिए, या पहले उसकी मजबूत बुनियाद तैयार करनी चाहिए?

आज का राशि फल

मेष राशि: आज का दिन जीवन में मील का पत्थर साबित होगा। वकीलों के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा, नया केस हाथ लगेगा। आज खास लोगों के बीच किसी नई गतिविधि को लेकर गंभीर चर्चा होगी, जो कि सकारात्मक रहेगी। आज किसी मामले को लेकर विचारों में भावुकता रहेगी। आज कुछ लोग जलन की भावना से आपकी आलोचना कर सकते हैं।

वृष राशि: आज आपका दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको किसी भी प्रकार के विवादों से दूर रहने की आवश्यकता है। आज व्यवसायिक काम समय पर बनते जाएंगे। विदेश संबंधी व्यवसाय में परिस्थितियां आपके अनुकूल होने के आसार हैं। आज ऑफिस में सहयोगियों की कार्यकुशलता से टारगेट समय पर पूरा हो जाएगा।

मिथुन राशि: आज आपके हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा। आज आप लेखन कार्यों में रुचि लेंगे आपका लेखन और अच्छा होगा। आज आपकी बातें दूसरों पर प्रभाव डालेगी। आज रोजमर्रा के कामों से हटकर कुछ नया सीखने में समय बीतेगा। प्रॉपर्टी या वाहन की खरीददारी में लाभ की बेहतर स्थिति बनेगी। आध्यात्म और धार्मिक गतिविधियों में आपका रुझान बढ़ेगा।

कर्क राशि: आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। थोड़ी सी बात पर परेशान होने के बजाय उसका हल ढूंढने की कोशिश करेंगे तो आपको सलूशन मिल जायेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा है।

सिंह राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज व्यवसाय में अतिरिक्त आय का साधन बनने वाला है। अगर आपका साझेदारी में बिजनेस करने का प्लान है तो ये डील आपके लिए फायदेमंद होगी। अधिकतर समय मार्केटिंग और बाहर की गतिविधियों में बीतेगा। इस राशि के सरकारी नौकरी कर रहे लोग अपने कार्यभार से संतुष्ट रहेंगे। आपको घर के बड़ो से कुछ प्रेरणा मिलेगी। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, वो सफल होगा।

कन्या राशि: आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज ध्यान रखें कि अगर प्रयासरत कार्यों में समस्या आती है तो इसकी वजह आपकी एकाग्रता में कमी होगी। आज सम्मानित और प्रभावशाली लोगों के संपर्क में आने से आपको कई नए विषयों की जानकारी मिलेगी। आज घर के लिए इलेक्ट्रॉनिक वस्तु की खरीदारी संभव है। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे।

तुला **राशि:** आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। आज किसी समस्या को हल करने में आपका सहयोग सकारात्मक रहेगा। आस-पड़ोस की सामाजिक गतिविधियों में आपका वर्चस्व रहेगा। प्रॉपर्टी से संबंधित काम हल होगा। आज नकारात्मक लोगों से दूर रहेंगे और आलस की स्थिति से बचेंगे तो आपका काम समय से पूरा हो जायेगा।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज कार्यों को सुचारु रूप से करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी होगी। हालांकि सही समय पर उचित निर्णय लेने से आपकी काफी समस्याएं हल हो जाएंगी। इस समय नया कार्य शुरू न करें, आज के कामों को ही व्यवस्थित करने पर ध्यान देंगे। ऑफिस में आपका प्रभुत्व बना रहेगा। नवविवाहित दंपत्ति के बीच आज मीठी नोक-झोक होगी, इससे रिश्तों में और मिठास आयेगी। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

धनु राशि: आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज जल्दबाजी में फैसला न लें, न ही दूसरों के मामले में हस्तक्षेप करें। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आप अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाने की योजना बनायेंगे। साथ ही आय बढ़ाने के लिए नया प्लान बनायेंगे। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने का मन बनायेंगे। कला जगत से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

मकर राशि: आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। छात्रों को आज बहुत अधिक मेहनत करने की जरूरत है। आज आप लेनदेन को स्थगित रखेंगे तो आने वाली किसी समस्या से बच जायेंगे। इस राशि के लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, जिससे उनके अंदर आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आपकी ऑफिशियल यात्रा संभव है।

कुंभ राशि: आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आपका दिन खुशनुमा बीतेगा। घर पर ही परिवारवालों के साथ धार्मिक कार्यों का आयोजन करेंगें। आज आपकी तरक्की के कई रास्ते खुलेंगे। ऑफिस के काम को थोड़ा संभलकर करने की जरूरत है, आपके काम की शिकायत कर सकता है। आज किसी से भी उलझने से आपको बचना चाहिए।

मीन राशि: आज आपको किसी अपने से अच्छी खबर मिलने के योग बने हुये है। आज व्यक्तिगत काम के समय आप घबराने की बजाय परिस्थितियों का समाधान ढूंढने का प्रयास करेंगे और इसमें आप सफल भी होंगे। परिवारिक सदस्य की किसी उपलब्धि से घर में उत्सव का माहौल रहेगा। मार्केटिंग की जॉब कर रहे लोगों से आज अच्छा क्लाइंट जुड़ेगा।

दक्षिण तटीय रेलवे के महाप्रबंधक ने विशाखापत्तनम मंडल में जलभराव प्रभावित सबवे का किया निरीक्षण

विशाखापत्तनम, पेन पॉवर, 9 जुलाई: दक्षिण तटीय रेलवे के महाप्रबंधक संदीप माथुर ने गुरुवार को विशाखापत्तनम मंडल के मानसून के दौरान जलभराव की आशंका वाले लिमिटेड हाइट सबवे (एलएचएस) का निरीक्षण कर रेलवे की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने यात्रियों एवं आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा जलभराव की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए किए गए इंतजामों का जायजा लिया।
निरीक्षण के दौरान उनके साथ विशाखापत्तनम मंडल के मंडल रेल प्रबंधक ललित बोहरा, प्रधान मुख्य अभियंता बी.एस.के. राजकुमार तथा जोनल मुख्यालय एवं मंडल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। महाप्रबंधक ने पेंदुर्तीदृसिम्हाचलम नॉर्थ सेक्शन (किमी 865ध्01—03) तथा गोपालपट्टनमदृविशाखापत्तनम सेक्शन (किमी 875ध्10—12) के संवेदनशील सबवे का निरीक्षण किया। उन्होंने जलभराव रोकने के लिए लगाए गए डीजल एवं इलेक्ट्रिक पंपों, सम्प व्यवस्था, प्राकृतिक जल निकासी प्रणाली, सीसीटीवी निगरानी, पंप शेड, क्रॉस ड्रेनेज सुविधाओं, सुरक्षा चेन, स्टॉप बोर्ड तथा स्पीड ब्रेकर सहित विभिन्न सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पूरे मानसून सीजन के दौरान उच्च स्तर की सतर्कता बनाए रखें तथा सभी डी—वॉटरिंग उपकरणों को हर समय कार्यशील स्थिति में रखें। उन्होंने कहा कि कहीं भी जलभराव होने पर तत्काल कार्रवाई कर सबवे को यथाशीघ्र आम जनता के सुरक्षित उपयोग के लिए उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने मौसम पूर्वानुमान पर लगातार नजर रखने, भारी वर्षा के दौरान संवेदनशील स्थानों पर चौबीसों घंटे कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित करने तथा इंजीनियरिंग, विद्युत एवं परिचालन विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने के भी निर्देश दिए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई की जा सके।

रथ यात्रा—2026 के लिए विशेष ट्रेनें चलाएगा रेलवे

विशाखापट्टनम, पेन पॉवर, 9 जुलाई: पुरी में आयोजित होने वाली विश्व प्रसिद्ध रथ यात्रा (कार फेस्टिवल)—2026 के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए भारतीय रेलवे ने विशाखापट्टनमदृपुरी तथा जगदलपुरदृपुरी के बीच विशेष एक्सप्रेस ट्रेनों के संचालन की घोषणा की है। दक्षिण तटीय रेलवे के अनुसार, ट्रेन संख्या 08551 विशाखापट्टनमदृपुरी स्पेशल एक्सप्रेस 15 एवं 23 जुलाई 2026 को दोपहर 12:30 बजे विशाखापट्टनम से रवाना होगी और उसी दिन रात 9:30 बजे पुरी पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 08552 पुरीदृविशाखापट्टनम स्पेशल एक्सप्रेस 17 एवं 25 जुलाई को प्रातः 2:30 बजे पुरी से प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 11:05 बजे विशाखापट्टनम पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सिम्हाचलम, विजयनगरम, श्रीकाकुलम रोड, पलासा, सोमपेटा, इच्चापुरम, ब्रह्मपुर, बालुगांव, सखी गोपाल सहित कई प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी।
इसी प्रकार ट्रेन संख्या 08553 जगदलपुरदृपुरी स्पेशल एक्सप्रेस 15 एवं 23 जुलाई 2026 को सुबह 6:00 बजे जगदलपुर से रवाना होकर अगले दिन तड़के 1:40 बजे पुरी पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 08554 पुरीदृजगदलपुर स्पेशल एक्सप्रेस 16 एवं 24 जुलाई को शाम 7:15 बजे पुरी से प्रस्थान कर अगले दिन दोपहर 1:15 बजे जगदलपुर पहुंचेगी। यह ट्रेन कोरापुट, रायगढ़ा, पार्वतीपुरम, विजयनगरम, श्रीकाकुलम रोड, पलासा, ब्रह्मपुर, बालुगांव तथा सखी गोपाल सहित कई महत्वपूर्ण स्टेशनों पर ठहरेगी। रेलवे के अनुसार दोनों विशेष ट्रेनों में कुल 12 कोच लगाए जाएंगे, जिनमें 4 स्लीपर कोच, 6 सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच तथा 2 द्वितीय श्रेणी लगेज—सह—दिव्यांगजन कोच शामिल होंगे। दक्षिण तटीय रेलवे, विशाखापट्टनम मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के. पवन कुमार ने श्रद्धालुओं एवं यात्रियों से रथ यात्रा के दौरान इन विशेष ट्रेनों का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की है।

विशाखापत्तनम में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की समीक्षा

भारत निर्वाचन आयोग के प्रधान सचिवों ने कलेक्टरेट में की समीक्षा बैठक

विशाखापत्तनम, पेन पॉवर, 9 जुलाई: भारत निर्वाचन आयोग के प्रधान सचिव अविनाश कुमार एवं संजय कुमार ने गुरुवार को विशाखापत्तनम जिले का दौरा कर जिले में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (Special Intensive Revision & SIR) कार्यों की समीक्षा की। इस अवसर पर जिला कलेक्टरेट के सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में निर्वाचन संबंधी कार्यों की प्रगति का विस्तृत आकलन किया गया। बैठक के दौरान आयोग के अधिकारियों ने घर—घर सत्यापन, नए पात्र मतदाताओं का पंजीकरण, मृत एवं अन्य स्थानों पर स्थानांतरित हो चुके मतदाताओं के नाम हटाने तथा मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाने के लिए किए जा रहे कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्वाचन आयोग के दिशा—निर्देशों का कड़ाई से पालन करते हुए पुनरीक्षण प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से निर्धारित समय—सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए।
अधिकारियों ने निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ERO), सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (AERO), बूथ स्तरीय अधिकारियों (BLO) तथा निर्वाचन प्रकोष्ठ के कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल करने, प्रत्येक आवेदन की सावधानीपूर्वक जांच करने तथा व्यापक जन—जागरूकता अभियान चलाने पर विशेष बल दिया।
जिला कलेक्टर एम. अभिषिक्त किशोर ने जिले में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की प्रगति पर विस्तृत प्रस्तुति दी तथा बताया कि सभी पात्र नागरिकों का शत—प्रतिशत मतदाता पंजीकरण सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।
बैठक में जीवीएमसी आयुक्त केतन गर्ग, संयुक्त कलेक्टर गोब्बिल्ला विद्याधरी, जिला राजस्व अधिकारी विश्वेश्वर नायडु, ईआरओ, एईआरओ तथा निर्वाचन प्रकोष्ठ के अधिकारी उपस्थित रहे।

समुद्री हादसे के जीवित बचे मछुआरे चिन्ना से वाई.एस. जगन ने की फोन पर बात

सरकार पर दबाव बनाकर न्याय दिलाने का भरोसा

लापता मछुआरों के परिवारों को ध1 करोड़ मुआवजा देने की वाईएसआरसीपी की मांग

विशाखापट्टनम, पेन पॉवर, 9 जुलाई: विशाखापट्टनम तट के निकट हुए नौका हादसे में जीवित बचे मछुआरे चिन्ना से आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी ने गुरुवार को फोन पर बातचीत कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने हादसे की पूरी जानकारी ली और चिन्ना को हिम्मत बंधाई।
अस्पताल में उपचाराधीन चिन्ना ने दुर्घटना की रात की घटनाओं का विस्तार से वर्णन करते हुए बताया कि नाव पलटने के बाद वह कई घंटे तक समुद्र में तैरते रहे और बाद में उन्हें बचाया गया। उन्होंने यह भी बताया कि भारी कर्ज लेकर खरीदी गई लगभग Rs.50 लाख मूल्य की मछली पकड़ने वाली नाव हादसे में डूब गई, जिससे उनका परिवार आजीविका के संकट में आ गया है।
इस पर प्रतिक्रिया देते हुए वाई.एस. जगन ने आश्वासन दिया कि प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाने और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के लिए उनकी पार्टी सरकार पर दबाव बनाएगी। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर वह स्वयं विशाखापट्टनम आकर पीड़ित परिवारों से मुलाकात करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि डूबी हुई नाव के लिए भी उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए, क्योंकि वही मछुआरों की आजीविका का प्रमुख साधन थी।
वाईएसआरसीपी के अनुसार, राज्य सरकार ने हादसे में लापता हुए छह मछुआरों के परिवारों को ध10 लाख की अनुग्रह राशि घोषित की है, लेकिन जीवित बचे चिन्ना को अब तक कोई विशेष आर्थिक सहायता उपलब्ध नहीं कराई गई है।
इसके बाद वाईएसआरसीपी के विशाखापट्टनम जिला अध्यक्ष के. के. राजू, विजयनगरम जिला अध्यक्ष मज्जी श्रीनिवास राव तथा पूर्व विधायक वासुपल्ली गणेश ने किम्स अस्पताल पहुंचकर चिन्ना से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना।
मीडिया से बातचीत करते हुए नेताओं ने मांग की कि हादसे में लापता हुए प्रत्येक मछुआरे के परिवार को ध1 करोड़ का मुआवजा दिया जाए। साथ ही, जीवित बचे चिन्ना को विशेष आर्थिक सहायता, डूबी हुई नाव का पूरा मुआवजा तथा प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की व्यवस्था की जाए।
वाईएसआरसीपी नेताओं ने समुद्री सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने, समुद्र में मछली पकड़ने वाली नौकाओं की प्रभावी निगरानी प्रणाली विकसित करने तथा आपातकालीन बचाव तंत्र को सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवारों को पूर्ण न्याय मिलने तक वाईएसआर कांग्रेस पार्टी उनके साथ खड़ी रहेगी।
इस अवसर पर समन्वयक टिप्पला श्रीनिवास देवन रेड्डी, मोल्ली अप्पा राव, कट्टमूरी सतीश, किरण राजू, अनिल कुमार राजू, मनोज गोडबा, वासु राजू, रामा राजू, जानकी राम, कंद्रापल्ली रोहित, भोगाड़ी सन्यासी राव, गोंदेसी श्रीनिवास रेड्डी, निखिल सहित अनेक पार्टी नेता उपस्थित थे।

अमरावती चौंपियनशिपदृ 2026 युवाओं के लिए सुनहरा अवसर : जिला कलेक्टर के. दिनेश कुमार

रम्पचोडवरम, पेन पावर, 9 जुलाई: पोलवरम जिला कलेक्टर के. दिनेश कुमार ने कहा कि आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित अमरावती चौंपियनशिपदृ2026 युवा खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें भविष्य का चौंपियन बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। गुरुवार को कलेक्टर ने चौंपियनशिप का पोस्टर जारी किया। उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को अपनी खेल प्रतिभा दिखाने का बेहतरीन अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने जिले के सभी पात्र खिलाड़ियों से बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील की। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में अंडर—17 (बालक एवं बालिका) तथा अंडर—23 (युवा पुरुष एवं महिलाएं) भाग ले सकते हैं। प्रतियोगिताएं 12 खेलोंकृतीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बॉक्सिंग, बास्केटबॉल, शतरंज, हॉकी, कबड्डी, खो—खो, वॉलीबॉल, वेटलिफ्टिंग और योगकृ में आयोजित की जाएंगी।
प्रतियोगिताएं 17 जुलाई से शुरू होकर विभिन्न चरणों में आयोजित होंगी। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर मिलेगा। राष्ट्रीय खेल दिवस (29 अगस्त) पर विजेताओं को कुल Rs.91-90 लाख की नकद पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।

अमरावती चौंपियनशिप—2026 का पोस्टर जारी

कलेक्टर विजया कृष्णन ने युवाओं से बढ़—चढ़कर भाग लेने की अपील की

अनकापल्ली, पेन पॉवर, 9 जुलाई: राष्ट्रीय खेल दिवस 2026—27 के तहत आयोजित होने वाली अमरावती चौंपियनशिप—2026 का पोस्टर गुरुवार को जिला कलेक्टर विजया कृष्णन ने संयुक्त कलेक्टर शौर्य मान पटेल के साथ कलेक्टर कार्यालय में जारी किया। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि प्रतियोगिताएं अंडर—17 और अंडर—23 आयु वर्ग के बालक एवं बालिका खिलाड़ियों के लिए आयोजित की जाएंगी। प्रतियोगिताओं में तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बॉक्सिंग, बास्केटबॉल, शतरंज, हॉकी, कबड्डी, खो—खो, वेटलिफ्टिंग, वॉलीबॉल तथा योग सहित कुल 12 खेलों को शामिल किया गया है।
उन्होंने बताया कि ये प्रतियोगिताएं 15 जुलाई से 29 अगस्त तक विधानसभा क्षेत्र, जिला तथा राज्य स्तर पर आयोजित की जाएंगी। कलेक्टर ने जिले के विद्यालयों, महाविद्यालयों के खिलाड़ियों तथा युवाओं से बड़ी संख्या में भाग लेकर प्रतियोगिताओं को सफल बनाने की अपील की। जिला खेल विकास अधिकारी पूजारी शैलजा ने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ आंध्र प्रदेश (।।च) की वेबसाइट पर अपने आधार कार्ड के माध्यम से अनिवार्य रूप से ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा। केवल पंजीकृत प्रतिभागियों को ही प्रतियोगिता में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी।

17 जुलाई को रम्पचोडवरम आएंगे मुख्यमंत्री

रम्पचोडवरम, 9 जुलाई: आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू 17 जुलाई को रम्पचोडवरम का दौरा करेंगे। उनके दौरे से पहले पोलवरम जिला कलेक्टर के. दिनेश कुमार ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों को सभी तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ''तल्लिकी वंदनम'' और मेगा पेरेंट्स मीटिंग कार्यक्रम में भाग लेंगे। कलेक्टर ने पेयजल, बैठने की व्यवस्था, यातायात, सुरक्षा, चिकित्सा तथा अन्य सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मतदाता सूची संशोधन कार्य में तेजी लाएं: कलेक्टर राजाबाबू

ओंगोल, पेन पावर, 9 जुलाई: प्रकाशम जिला कलेक्टर पी. राजाबाबू ने गुरुवार को ओंगोल के गांधीनगर वार्ड सचिवालय का निरीक्षण कर विशेष मतदाता सूची संशोधन कार्य की समीक्षा की। उन्होंने लापरवाही बरतने वाले बीएलओ और अतिरिक्त बीएलओ को बदलने के निर्देश दिए तथा अधिकारियों से मतदाता पंजीकरण प्रक्रिया को तेजी, सटीकता और पारदर्शिता के साथ पूरा करने को कहा। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे।

कचरे से खाद बनाकर पंचायतों का विकास संभवः कलेक्टर

रम्पचोडवरम, 9 जुलाई: पोलवरम जिला कलेक्टर के. दिनेश कुमार ने कहा कि गीले और सूखे कचरे को अलग—अलग एकत्र कर उससे खाद तैयार करने से ग्राम पंचायतों की आय बढ़ेगी और विकास को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने स्थानीय डंपिंग यार्ड और वेस्ट—टू—वेल्थ केंद्र का निरीक्षण कर अधिकारियों को स्वच्छता बनाए रखने, कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन करने तथा ग्रामीणों में कचरा पृथक्करण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए।

महानायक दिलीप कुमार : यादों में आज भी जीवंत एक महान व्यक्तित्व

नीना शर्मा

6 जुलाई भारतीय सिनेमा के लिए केवल एक तिथि नहीं, बल्कि भावनाओं से जुड़ा वह दिन है जब अभिनय के शिखर पुरुष, महानायक दिलीप कुमार हमसे सदा के लिए विदा हो गए। यद्यपि समय का यह सत्य अटल था, फिर भी उनके निधन ने पूरे देश और विश्वभर में फैले उनके करोड़ों प्रशंसकों को स्तब्ध कर गया। उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए मेरे मन में उनसे जुड़ी अनेक स्मृतियाँ स्वतः ताज़ा हो उठती हैं। ये स्मृतियाँ मेरे जीवन की ऐसी अमूल्य धरोहर हैं जिन्हें मैं सदैव संजोकर रखूंगी।

बचपन से ही मेरे परिवार में फिल्मों का वातावरण था। विशेषकर मेरी माँ को फिल्में देखने का बहुत शौक था और उसी कारण मुझे भी अच्छी फिल्मों और श्रेष्ठ कलाकारों को देखने का अवसर मिला। मेरी प्रारंभिक यादों में मेला, गंगा-जमुना, मधुमती , कोहिनूर जैसी फिल्में आज भी ताज़ा हैं। उन फिल्मों में दिलीप कुमार का अभिनय मुझे भीतर तक प्रभावित करता था। धीरे-धीरे मैं उनकी केवल दर्शक ही नहीं, बल्कि उनकी एक सच्ची प्रशंसक बन गई।

उनकी अभिनय शैली, संवादों की गंभीरता, चेहरे के भाव और हर किरदार को आत्मा से जीने की कला मुझे हमेशा आकर्षित करती रही। उनके साथ अभिनेत्री वहीदा रहमान की जोड़ी मुझे विशेष रूप से पसंद थी। बचपन की मासूम सोच में कई बार मन में यह भी आता था कि काश दोनों वास्तविक जीवन में भी साथ होते।

समय के साथ समझ बढ़ी, लेकिन दिलीप साहब के प्रति सम्मान और स्नेह कभी कम नहीं हुआ।

समय बीतता गया और जीवन मुझे भारत से दूर अमेरिका ले आया। अपने देश और परिवार से दूर जाने का दुःख तो था ही, लेकिन मन में यह कसक भी थी कि शायद अब जीवन में कभी दिलीप कुमार जी से मिलने का अवसर नहीं मिलेगा। फिर भी मन के किसी कोने में यह विश्वास बना रहा कि यदि भाग्य ने साथ दिया तो यह इच्छा अवश्य पूरी होगी।

कुछ समय बाद मुझे पता चला कि अमेरिका के टेक्सास राज्य में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में दिलीप कुमार को सम्मानित किया जाना है। यह समाचार मेरे लिए किसी सुखद आश्चर्य से कम नहीं था। वर्षों से संजोया हुआ सपना मानो साकार होने वाला था। मैं अपनी एक परिचित के साथ उस कार्यक्रम में पहुँची। वहाँ देश-विदेश से आए लोगों की भीड़ थी और हर व्यक्ति की आँखों में उनके प्रति सम्मान साफ दिखाई दे रहा था।

कार्यक्रम समाप्त होने के बाद मुझे उनसे मिलने का सौभाग्य मिला। मैंने अपना परिचय दिया और बताया कि मैं भारत से हूँ तथा बचपन से उनकी प्रशंसक रही हूं। उन्होंने अत्यंत स्नेह और विनम्रता के साथ मेरा अभिवादन स्वीकार किया। उनकी मुस्कान, उनकी सरलता और आत्मीय व्यवहार ने मुझे गहराई से प्रभावित किया। उस क्षण मुझे महसूस हुआ कि वे केवल अभिनय के महानायक ही नहीं, बल्कि असाधारण मानवीय गुणों से सम्पन्न एक महान इंसान भी हैं।

कुछ समय बाद मुझे उनसे दोबारा मिलने का अवसर मिला। इस बार वातावरण पहले से अधिक आत्मीय था। मुझे देखकर उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, आप फिर आ गईं? उनके इन सहज शब्दों ने मेरे मन को गहराई तक छू लिया। इतनी ऊँचाइयों पर पहुँचने के बाद भी उनके व्यक्तित्व में न कोई अहंकार था और न ही किसी प्रकार का दिखावा। उनकी यही सादगी उन्हें लाखों-करोड़ों लोगों के दिलों के और भी करीब ले जाती थी।

इस मुलाकात के दौरान उनकी धर्मपत्नी सायरा बानो से मिलने का सौभाग्य भी प्राप्त हुआ। उन्होंने अत्यंत स्नेह और आत्मीयता के साथ हमारा स्वागत किया। उनके व्यवहार में कहीं भी औपचारिकता नहीं थी। ऐसा महसूस हुआ जैसे वर्षों से परिचित किसी अपने परिवार से मिल रही हूँ। उस दिन मैंने बहुत निकट से देखा कि एक महान कलाकार के पीछे एक स्नेहमयी, संवेदनशील और संस्कारी परिवार भी खड़ा होता है।

बातचीत के दौरान दिलीप कुमार ने भारतीय सिनेमा, अभिनय और जीवन के अनेक पहलुओं पर अपने विचार साझा किए। उनका मानना था कि अभिनय केवल संवाद बोलने की कला नहीं, बल्कि हर चरित्र की आत्मा को समझकर उसे पूरी ईमानदारी से जीने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि कलाकार की सबसे बड़ी पूँजी उसकी लोकप्रियता नहीं, बल्कि उसकी सच्चाई, अनुशासन और अपने काम के प्रति समर्पण होता है। उनके ये शब्द आज भी मेरे मन में उसी तरह अंकित हैं, जैसे किसी गुरु का अमूल्य उपदेश।

मैंने अनुभव किया कि जितने बड़े वे पर्दे पर दिखाई देते थे, उससे कहीं अधिक बड़े वे अपने व्यवहार और व्यक्तित्व में थे। उनकी विनम्रता, संवेदनशीलता और दूसरों के प्रति सम्मान का भाव आज भी मुझे प्रेरित करता है। उनसे हुई हर मुलाकात ने मुझे यह सिखाया कि सच्ची महानता प्रसिद्धि या उपलब्धियों में नहीं, बल्कि सरलता, मानवीय मूल्यों और दूसरों के प्रति सम्मान में होती है।

जब विदा लेने का समय आया तो मन अत्यंत भावुक हो उठा। मैंने श्रद्धापूर्वक उनका आशीर्वाद लिया। उन्होंने स्नेहभरी मुस्कान के साथ कहा कि जीवन में हमेशा सकारात्मक सोच रखिए, ईमानदारी से कार्य कीजिए और अपने संस्कारों को कभी मत छोड़िए। उनके ये शब्द मेरे जीवन की अमूल्य धरोहर बन गए। आज भी जब कभी कठिन समय आता है, तो उनकी वही प्रेरणादायक बातें मुझे आगे बढ़ने का साहस देती हैं।

6 जुलाई को उनकी पुण्यतिथि पर उन सभी स्मृतियों को याद करते हुए मन श्रद्धा से भर उठता है। भारतीय सिनेमा में उनका योगदान सदैव स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। उन्होंने अभिनय को केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे संवेदनाओं, मानवीय रिश्तों और जीवन-दर्शन की गहराई से जोड़ दिया। उनकी हर फिल्म, हर किरदार और हर संवाद आज भी अभिनय सीखने वालों के लिए एक जीवंत पाठशाला है।

मेरे लिए यह जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य है कि मुझे उनसे मिलने, उनके स्नेह और आत्मीयता को अनुभव करने का अवसर मिला। यह स्मृतियाँ मेरे जीवन की सबसे अनमोल धरोहर हैं। दिलीप कुमार आज भले ही हमारे बीच शारीरिक रूप से उपस्थित नहीं हैं, लेकिन अपने अमर अभिनय, महान व्यक्तित्व, सादगी और मानवीय मूल्यों के कारण वे सदैव करोड़ों भारतीयों के हृदय में जीवित रहेंगे।

उनकी पुण्यतिथि पर मैं उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करती हूँ और ईश्वर से प्रार्थना करती हूँ कि उनकी पुण्य आत्मा को शांति प्रदान करें। भारतीय सिनेमा की यह अमूल्य धरोहर आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी। विनम्र श्रद्धांजलि।

विंबलडन के पेज पर 'धुरंधर' फेम आयशा खान

यूजर्स ने किया ट्रोल; बोले- पेज हैक हो गया क्या?

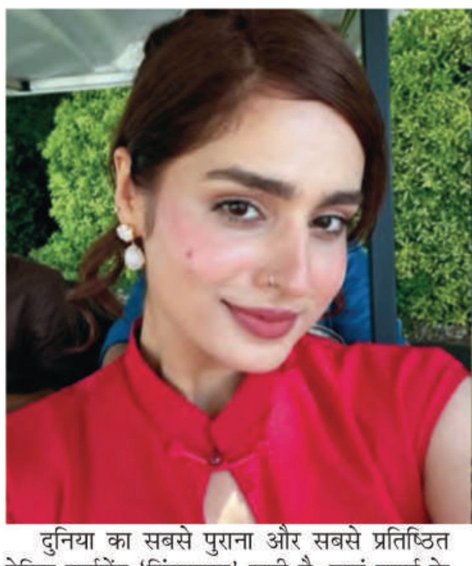

दुनिया का सबसे पुराना और सबसे प्रतिष्ठित टेनिस टूर्नामेंट 'विंबलडन' जारी है, जहां वर्ल्ड के सबसे बेहतरीन खिलाड़ी अपनी योग्यता साबित करने में लगे हुए हैं। इस बीच अभिनेत्री आयशा खान भी विंबलडन पहुंची, जिसकी तस्वीरें विंबलडन के आधिकारिक पेज ने शेयर की। लेकिन अब इन तस्वीरों पर यूजर्स एक्ट्रेस को काफी ट्रोल कर रहे हैं।

विंबलडन ने शेयर की तस्वीरें

दरअसल, विंबलडन के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट ने एक्ट्रेस आयशा खान की तस्वीरें शेयर की हैं। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा- 'बॉलीवुड स्टार आयशा खान ने सेंटर कोर्ट की शोभा बढ़ाई।' पोस्ट में एक्ट्रेस रेड कलर की शानदार ड्रेस में नजर आ रही हैं। पहली फोटो में आयशा फ्रेड पेरी के स्मारक के पास खड़ी नजर आ रही हैं। बता दें कि फ्रेड पेरी पहले पुरुष खिलाड़ी थे, जिन्होंने पहला विंबलडन जीता था। एक तस्वीर में आयशा विंबलडन की ट्रॉफी पकड़े नजर आ रही हैं। एक अन्य फोटो में एक्ट्रेस टेनिस बॉल पर अपना सिग्नेचर करती दिखाई दे रही हैं। वहीं एक तस्वीर में आयशा आइसक्रीम का लुत्फ उठाती दिख रही हैं। बाकी तस्वीरों में आयशा विंबलडन कोर्ट घूमती नजर आ रही हैं।

यूजर्स ने किया ट्रोल

अब पोस्ट सामने आने के बाद फैंस काफी हैरान नजर आ रहे हैं। कई यूजर्स ये विश्वास नहीं कर पा रहे हैं कि आयशा सच में विंबलडन पहुंची हैं और विंबलडन ने उनकी तस्वीरें शेयर की हैं। एक यूजर ने कमेंट कर लिखा- 'विंबलडन पेज हैक हो गया है क्या?' वहीं दूसरे ने कमेंट किया- 'उनसे टेनिस के रूल्स के बारे में पूछिए।' एक ने लिखा- 'विंबलडन के पास खबरें खत्म हो गई हैं क्या? क्या है उनकी उपलब्धियां?'

'धुरंधर' गाने से मिली पहचान

आयशा खान ने अपनी शुरूआत एकता कपूर द्वारा निर्मित सीरियल 'कसौटी जिंदगी की' से की थी। जिसके बाद 'बालवीर रिटर्न्स' में भी काम किया। इसके बाद तेलुगु फिल्म 'मुखचित्रम' में सपोर्टिंग कास्ट के रूप में नजर आयी थीं। हाल हीमें उन्हें 'धुरंधर' के गाने शरारत से पहचान मिली।

आठ घंटे की शिफ्ट के सपोर्ट में अहमद खान

'वेलकम टू द जंगल' के निर्देशक ने फिल्ममेकर्स को दी ये सलाह

निर्देशक अहमद खान अपनी नई फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की कामयाबी को लेकर खुश हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इस बीच उन्होंने आठ घंटे की वर्क शिफ्ट का समर्थन किया है।

मामले पर बंटी है लोगों की राय

जब से ऐसी खबरें आईं कि एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने आठ घंटे की वर्क शिफ्ट की मांग करते हुए 'स्पिरिट' से किनारा कर लिया, तब से इंडस्ट्री में इस पर बहस चल रही है। आठ घंटे की मांग वाले मामले पर लोगों की राय बंटी हुई है।

अहमद खान ने तीन शिफ्ट में किया काम

अब इस मामले पर अहमद खान ने अपनी राय रखी है। उन्होंने इंडिया टुडे से बातचीत में कहा 'देखिए मैं उस दौर का हूं, जब हम दिन में 24 घंटे काम करते थे। मैंने तीन शिफ्ट में काम किया है- सुबह सात से दो, दोपहर दो से रात दस और रात नौ बजे से सुबह पांच बजे तक। हम आरके स्टूडियो, फिर फेमस स्टूडियो, फिर फिल्मिस्तान में शूटिंग करते थे, जिसमें आने-जाने का समय भी शामिल होता था। हम सेट पर ही सोते थे। टूथपेस्ट कार में होता था। हम चेंजिंग रूम में नहाते थे।'इतने मुश्किल

शेड्यूल के अपने अनुभव के बावजूद, अहमद खान ने कहा कि आज के एक्टर्स से उसी रूटीन का पालन करने की उम्मीद करना गलत होगा।

एक्टर्स के पास होते हैं दूसरे काम

उन्होंने कहा 'आज के युवा, स्टार्स और एक्टर्स, अगर शूटिंग नहीं कर रहे होते हैं, तो वे पब्लिक अपीयरेंस, ब्रांड एंडोर्समेंट में व्यस्त रहते हैं। शाम को उन्हें कहीं और जाना होता है। उनके पास अन्य काम भी होते हैं। इसलिए, उन्हें शूटिंग के लिए आठ घंटे चाहिए, फिर वे अपने बाकी कामों के लिए फ्री रहना चाहते हैं। यह सही है, जब तक वे काम कर रहे हैं। वे यह नहीं कह रहे हैं कि 'आठ घंटे के बाद हम टेनिस खेलने जा रहे हैं'।'

अहमद खान का सुझाव

डायरेक्टर ने सुझाव दिया कि प्रोड्यूसर और फिल्ममेकर्स को नई सच्चाई के हिसाब से अपने शेड्यूल में बदलाव करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'तो ठीक है, अगर आप आठ घंटे दे रहे हैं, तो हम अपना शेड्यूल आठ घंटे के हिसाब से रखेंगे और आठ घंटे में ही शूटिंग करेंगे। इससे सभी की जिंदगी आसान हो जाएगी।'

अहमद खान का काम

अहमद खान ने हाल ही में फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का निर्देशन किया है। यह फिल्म 26 जून को रिलीज हुई थी। 12 दिनों में इसने 120.55 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है।

'कैप्टन कूल' को जन्मदिन मुबारक; सीटियां और तेज बजें'

थाला के लिए थलापति विजय ने साझा किया खास पोस्ट

एमएस धोनी 45 वर्ष के हो गए हैं। आज मंगलवार 07 जुलाई को उनका जन्मदिन है। खेल, सिनेमा सहित अलग-अलग क्षेत्र की दिग्गज हस्तियों और प्रशंसकों ने थाला को जन्मदिन की बधाई दी है। उनके इस खास दिन पर मुख्यमंत्री विजय ने भी एक पोस्ट साझा किया है।

विजय ने सीएमओ तमिलनाडु के एक्स (पूर्व में ट्विटर) पेज से एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने धोनी के साथ अपनी एक तस्वीर साझा की है। इसके साथ एक दिलचस्प नोट लिखा है। उन्होंने लिखा है, 'आपके नाम की गूंजती हर सीटी से लेकर उन अनगिनत लोगों तक जिन्हें आपने प्रेरित किया है, आपका सफर तमिलनाडु के खेल-जुनून का एक खास हिस्सा बन गया है'।

विजय ने आगे लिखा है, 'हमारे 'कैप्टन कूल' महेंद्र सिंह धोनी को जन्मदिन की बधाई। आपकी शानदार क्रिकेट विरासत, शांत लीडरशिप और विनम्र स्वभाव पीढ़ियों को प्रेरित कर रही है और करती रहेगी। हम आपकी अच्छी सेहत और खुशी की कामना करते हैं। आने वाले कई वर्षों तक आपकी सफलता के लिए प्रार्थना है। आपके लिए बजने वाली सीटियों की गूंज और भी तेज होती रहे'। बात करें विजय की तो दर्शकों को उनकी 'जन नायकन' का बेसब्री से इंतजार है। फिल्म को जुलाई के अंत या अगस्त के शुरुआती हफ्ते में रिलीज किया जा सकता है।

बतौर एक्टर इसे विजय की आखिरी फिल्म कहा जा रहा है, क्योंकि अब वे राजनीति की दुनिया में सक्रिय हैं। 'जन नायकन' में विजय, प्रियामणि, पूजा हेगड़े, बॉबी देओल, नारायण, प्रकाश राज, ममिता बैजू और गौतम वासुदेव मेनन अहम भूमिकाओं में हैं।

कुल्हड़ में बनी बनारसी लस्सी पर भाग्यश्री की हुई खिंचाई

एक्ट्रेस ने पूरी झलक दिखाकर सबकी कर दी बोलती बंद

सलमान खान के साथ 'मैंने प्यार किया' फिल्म से डेब्यू करने वालीं एक्ट्रेस भाग्यश्री ने महादेव की नगरी काशी यात्रा के दौरान लोकल खाने-पीने की चीजों को बढ़ावा देने पर हो रही आलोचना का करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि लोकल फूड और स्थानीय विक्रेताओं को प्रमोट करने से उनकी मदद होती है और कुछ लोग बिना पूरी जानकारी के बेवजह विवाद खड़ा कर रहे हैं।

भाग्यश्री ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह कुल्हड़ में बनारसी लस्सी का आनंद लेती नजर आ रही हैं। उन्होंने बताया कि वह सुबह 3 बजे से मंगला आरती में शामिल हुई थीं और इसके बाद भीषण गर्मी में गंगा घाटों पर पैदल घूमने के दौरान यह लस्सी उनके लिए एनर्जी का बेहतरीन स्रोत बनी।

भाग्यश्री ने वीडियो में बताए लस्सी के फायदे

उन्होंने पोस्ट में लिखा कि लस्सी पर डाले गए सूखे मेवों का स्वाद उन्हें बेहद पसंद आया। उन्होंने यह भी कहा कि मीठी या नमकीन लस्सी पसंद का विषय है। शुगर के मरीजों के लिए मीठी लस्सी सही ऑप्शन नहीं हो सकती, लेकिन दही कैल्शियम, प्रोटीन और प्रोबायोटिक्स से भरपूर होता है, जबकि चीनी या गुड़ एनर्जी देता है और पानी शरीर को हाइड्रेट रखता है। 40 डिग्री तापमान में उनके लिए यह एक आइडियल पेय था।

आलोचना करने वालों से कहा- क्या आप वहां मौजूद थे?

भाग्यश्री ने वायरल हो रहे वीडियो क्लिप पर भी रिएक्शन दिया है जिसमें दावा किया गया कि उन्होंने लस्सी को सिर्फ प्रमोट किया, लेकिन उसे पिया नहीं। उन्होंने कहा, 'क्या आप वहां मौजूद थे? क्या किसी ने मुझे यह कहते सुना कि लस्सी बहुत मीठी है और मैं इसे नहीं पिऊंगी? आधी जानकारी और अधूरा वीडियो शेयर करना ही असली फर्जीवाड़ा है।'

कहा- लोकल फूड को प्रमोट करने से कोई पैसे नहीं कमाता

उन्होंने आगे लिखा, 'लोकल फूड को प्रमोट करने से कोई पैसे नहीं कमाता। इससे सिर्फ लोकल खाने और छोटे विक्रेताओं को सपोर्ट मिलता है। यह शर्म की बात है कि कुछ खाली दिमाग वाले लोग इतनी साधारण बातों में भी नकारात्मकता ढूंढ लेते हैं। काशी जैसी पवित्र जगह के सामने आपकी बेवजह की आलोचना बेहद महत्वहीन है।'

रवि मोहन ने तोड़ा एक्टिंग ना करने का प्रण, सिनेमा में वापसी की कही बात; कहा- 'फैंस को कभी निराश नहीं करूंगा'

तमिल एक्टर रवि मोहन बीते कुछ दिनों से अपने निजी जीवन को लेकर चर्चाओं में हैं। दरअसल उनका और उनकी पत्नी का तलाक का मामला कोर्ट में चल रहा है।

इस बीच कुछ दिनों पहले उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा था कि जब तक उनका तलाक फाइनल नहीं होता, तब कर वह फिल्मों में ना तो काम करेंगे और न ही उनकी कोई फिल्म थिएटर में रिलीज होगी। लेकिन अब हाल ही में उन्होंने इस प्रण को तोड़ कर एक बड़ा ऐलान किया है।

रवि मोहन ने तोड़ा प्रण

अब हाल ही में एक अवॉर्ड इवेंट के दौरान एक्टर रवि ने साफ कर दिया कि अब वह सिनेमा से दूरी नहीं बनाना चाहते। उन्होंने अपने फैंस और फिल्म इंडस्ट्री के लोगों का शुक्रिया भी अदा किया, जिन्होंने उन्हें अपना फैसला बदलने के लिए प्रेरित किया।

रवि ने कहा कि उन्हें एहसास हुआ कि उनके सिनेमा छोड़ने के ऐलान से उनके चाहने वालों को काफी दुख पहुंचा था।

पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ दोनों 50-50

उन्होंने कहा, 'मैं इस साल 46 साल का हो रहा हूं। मेरी जिंदगी का आधा हिस्सा सिनेमा में ही बीता है। यह अफसोस की बात है कि मेरी एक छोटी सी गलती से आप सभी को इतना दुख हुआ। मेरे लिए पर्सनल लाइफ और प्रोफेशनल लाइफ दोनों 50-50 हैं, लेकिन उस समय पर्सनल लाइफ की भावनाएं थोड़ी ज्यादा हावी हो गई थीं।' उन्होंने कहा, 'मैं थोड़ा इमोशनल हो गया था, लेकिन इंडस्ट्री के हर व्यक्ति ने मुझसे कहा कि 'आप जो भी कहें, हमें मंजूर है, लेकिन आप यह कभी मत कहिए कि आप सिनेमा का हिस्सा नहीं हैं।' मैं उन सभी से माफी मांगता हूं।'

मैं जरूर वापसी करूंगा

फैंस को भरोसा दिलाते हुए रवि ने कहा कि वह नई एनर्जी के साथ वापसी करेंगे। उन्होंने कहा, 'मैं अब अपने फैंस को कभी निराश नहीं करूंगा। मैं जरूर वापसी करूंगा। आपकी खुशी, आपका प्यार और आपका समर्थन... मैं फिर से आपके 'पोन्नियिन सेलवन' या 'कराटे बाबू' बनकर लौटना चाहता हूं। जिन्होंने मुझे यह हिम्मत दी, मैं उन्हें दिल से धन्यवाद करता हूं।'

रवि मोहन की आने वाली फिल्में

रवि मोहन के पास कई बड़ी फिल्में हैं। वह राघव लॉरेंस और निविन पॉली के साथ फिल्म 'बेंज' का हिस्सा बने हैं। बतौर डायरेक्टर अपनी पहली फिल्म 'एन ऑर्डिनरी मैन' की शूटिंग कर रहे हैं। उन्होंने फिल्म 'कराथे बाबू' की शूटिंग पूरी कर ली है। इसके अलावा उनकी फिल्म 'जीनी' और कार्तिक योगी की एक फिल्म (जिसका पुराना नाम 'ब्रो कोड' था) भी जल्द ही आने वाली है।

'सतलज' बैन को डीएसजीएमसी ने दिखाया ठेंगा!

डाउनलोड कर सबको दिखाएंगे फिल्म, गुल पनाग बोलीं- मैंने भी वो दौर देखा

दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'सतलज' को ओटीटी पर रिलीज के 48 घंटों के भीतर हटा दिया गया। हनी त्रेहान के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म करीब 4 साल से सेंसर बोर्ड में अटकी थी, जिसके बाद मेकर्स ने इसे सीधे ओटीटी पर रिलीज कर दिया। एक तरफ जहां फिल्म पर लगे बैन की सोशल मीडिया पर आलोचना हो रही है, वहीं मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा की इस बायोपिक को लेकर राजनीतिक गहमागहमी भी बढ़ गई है। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति (डीएसजीएमसी) ने इस बीच 'सतलज' को भरपूर समर्थन दिया है। ऐलान किया है कि वह जल्द ही फिल्म की स्क्रीनिंग करेंगे और सेमिनार आयोजित करेंगे। लगे हाथ एक्ट्रेस गुल पनाग ने भी दो टूक शब्दों में राय दी है कि देश में अतीत के दर्दनाक पलों की कहानियां सुनाने पर पाबंदी नहीं लगाई जानी चाहिए।

'सतलज' पहले 'पंजाब 95' नाम से बन रही थी, लेकिन चार साल से सेंसर बोर्ड इसे सर्टिफाई नहीं कर रही थी। फिल्म में कथति तौर पर 127 कट्स लगाने को कहा गया था, जिससे मेकर्स नाराज थे। मामला हाई कोर्ट तक पहुंचा। लेकिन अब जब इसे बिना सीबीएफसी सर्टिफिकेट के सीधे ओटीटी पर रिलीज किया गया, तो 48 घंटों के भीतर ही इसे वहां से हटा दिया गया।

'सतलज' की होगी पब्लकि स्क्रीनिंग, डीएसजीएमसी ने कहा- बैन सही नहीं

ताजा जानकारी के मुताबिक, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति ने घोषणा की है कि वे ओटीटी पर चल रहे 'बैन' के बावजूद 'सतलज' की स्क्रीनिंग करेंगे। डीएसजीएमसी ने फिल्म पर लगे बैन पर आपत्ति जताई है। डीएसजीएमसी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका ने इस बारे में एक बयान जारी किया है। कहा है, 'यह फिल्म एक्टिविस्ट जसवंत सिंह खालड़ा और 1995 में पंजाब में हुए कथित मानवाधिकार उल्लंघनों और अवैध अंतिम संस्कारों की जांच और उन्हें उजागर करने के उनके प्रयासों के बारे में है और फिल्म पर बैन लगाना सही नहीं है।'

'उस काले दौर की घटनाओं को जनता तक पहुंचाने से रोकना गलत'

हरमीत सिंह कालका ने बयान में आगे कहा है, 'फिल्म दिखाती है कि कैसे एक सामाजिक कार्यकर्ता ने लोगों की आंखें सच्चाई की ओर खोलीं। उन्होंने 'लावारिस' बताकर अंतिम संस्कार किए गए 25,000 शवों के सबूत उजागर किए और पंजाब की गंभीर स्थिति को उजागर करते हुए इस मुद्दे को न केवल देश के भीतर, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उठाया। इस कहानी को दबाना और उस काले दौर की घटनाओं को जनता तक पहुंचने से रोकना बेहद गलत है। इसने सिख समुदाय में भारी आक्रोश पैदा किया है।'

स्कूलों और कॉलेजों में आयोजित किए जाएंगे सेमिनार

बयान में आगे कहा कहा गया है, 'हमने सभी गुरुद्वारा कमिटी सदस्यों से कहा है कि वे अपने-अपने इलाकों में फल्मि डाउनलोड करें और उसकी स्क्रीनिंग करें ताकि यह आम लोगों तक पहुंच सके। इसके अलावा, हम जल्द ही अपने स्कूलों और कॉलेजों के चेयरमैन के साथ एक बैठक करेंगे।

जसवंत सिंह खालड़ा की जिंदगी और उनके योगदान पर चर्चा करने के लिए हर कॉलेज में सेमिनार आयोजित किए जाएंगे। हम चाहते हैं कि लोग समझें कि समाज पर एक अकेला सामाजिक कार्यकर्ता कितना बड़ा असर डाल सकता है। अगर एक व्यक्ति इतना कुछ हासिल कर सकता है, तो कोई वजह नहीं है कि हम सब मिलकर ऐसा क्यों नहीं कर सकते।'

Printed and Published by **GANTYADA APPARAO** on behalf of **GANTYADA APPARAO**, Printed at Sri Sai Ganga Printers and Publishers Flat No: 504, Bharat Towers, 5th Lane, Dwaraka Nagar, Visakhaptanam, Andhra Pradesh-530016, and Published at H.NO: 38-4-216, MAHARANI STREET, MARRIPALEM, Visakhapatnam, Andhra Pradesh-530018, **Editor: GANTYADA APPARAO.** Mobile : 9059465965, **RNI : APHIN/26/A3657**, editorpenpower@gmail.com